वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF
FINANCE

सत्यमेव जयते

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र (MSME) के वित्तपोषण हेतु बैंकरों की क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय मिशन (NAMCABS) कार्यशाला, हिसार, हरियाणा में आयोजित

एमएसएमई वित्तपोषण को सशक्त बनाने हेतु आरबीआई की दो दिवसीय नैमकैब्स कार्यशाला हिसार में शुरू

हिसार में आरबीआई चंडीगढ़ द्वारा आयोजित नैमकैब्स कार्यशाला की मेजबानी

हिसार/ चंडीगढ़: 28 अगस्त, 2025

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा 28–29 अगस्त, 2025 को हिसार, हरियाणा में दो दिवसीय NAMCABS 3.0 कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, सिरसा और भिवानी ज़िलों की विभिन्न शाखाओं एवं MSME हबों से लगभग 80 बैंक अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन 28 अगस्त, 2025 को श्री विवेक श्रीवास्तव, क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई चंडीगढ़ द्वारा किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने MSME विकास और रोजगार सृजन में बैंकों और वित्तीय संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने उल्लेख किया कि अनेक नीतियों के बावजूद, MSME क्रेडिट अंतर अब भी गंभीर बना हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि, "MSMEs भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और बैंकों को उद्यमियों के प्रति एक अधिक संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। वैश्विक अनिश्चितता के इस समय में, 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों का समर्थन करने के लिए MSMEs को सशक्त बनाना भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिरता और आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करेगा। "

भागीदारों का स्वागत करते हुए, श्री पंकज सेतिया, महाप्रबंधक, आरबीआई ने कार्यशाला को भागीदारों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं, नीतिगत दिशा-निर्देशों और MSME वित्तपोषण के नवीन दृष्टिकोणों के बारे में स्वयं को अद्यतन करने का एक अवसर बताया। उन्होंने कहा कि, “शाखा स्तर पर क्षमता निर्माण आवश्यक है ताकि ऋण वितरण छोटे व्यवसायों की आकांक्षाओं को पूरा करे और विकास को प्रोत्साहित करे। MSMEs न केवल विकास और रोजगार के संवाहक हैं, बल्कि एक उज्जवल और अधिक समावेशी भविष्य के लिए आत्मविश्वास भी प्रदान करते हैं।”

उद्घाटन में SBI, PNB, UBI और HDFC के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। इंटरएक्टिव सत्रों का संचालन पूर्व मुख्य महाप्रबंधक, RBI, के साथ SIDBI, MSME DFO, InvoiceMart, TransUnion CIBIL के विशेषज्ञों और बैंकों के अनुभवी फैकल्टी द्वारा किया जा रहा है।

आरबीआई के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, प्रतिभागियों ने व्यक्त किया कि कार्यक्रम के दौरान प्राप्त अंतर्दृष्टियाँ शाखा स्तर पर MSME वित्तपोषण को मजबूत करने में मूल्यवान होंगी।

NAMCABS कार्यशाला को बैंकर्स को उद्यमिता का समर्थन, रोजगार उत्पन्न करने और MSME क्षेत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों के साथ सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

****

पीआईबी चंडीगढ़: शीनम / रूस